Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 13-03-2006

Participants : Tirath Smt. Krishna

an>

Title : Need to prevent the reported move to resume Lottery business in the country.

श्रीमती कृणा तीरथ (करोलबाग) : महोदय, अभी हाल में एक समाचार पत्र में पढ़ा कि राज्यों की लॉटरी को दुबारा से शुरु करने के लिए कोशिश की जा रही है। ये नहीं होना चाहिए। प्रत्येक राज्य में राज्यों की लॉटरी बिकने पर पूर्ण रूप से रोक होनी चाहिए क्योंकि जब सभी राज्यों में और दिल्ली में भी लॉटरी थी तो साधारण व्यक्ति का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। खासतौर से उन महिलाओं का जो मजदूर महिलाएं थीं, बच्चे थे, वे लॉटरी खरीदने के आदि हो गये थे और जो पैसा घर के खर्चे का, सब्जी लाने का, दूध लाने का होता था, जिससे बच्चों का पालन-पोाण होता था, उससे वे लॉटरी खरीद लेती थीं जिससे घर में कलह बढ़ने लगा। अन्तत: सरकार को ये बन्द करनी पड़ी। आज हम फिर से इसे शुरू करेंगे तो एक भयानक स्थिति फिर से पैदा हो जाएगी। खासतौर से दिल्ली में तो ज्यादा क्योंकि दिल्ली में बाहर से जो व्यक्ति आता है, वह छोटा-मोटा रोजगार करने लगता है, फिर धीरे-धीरे इस लॉटरी से मिलने वाले इनाम के चक्कर में पड़कर इसे खरीदने लगता है और फिर उसका जीवन अस्त-व्यस्त होता जाता है।

अत: मेरा भारत सरकार से अनुरोध है कि लॉटरी को फिर से शुरू न किया जाए।